Dainik Bhaskar (Indore), 14th August 2024, Page - 08

एनआईआरएफ रैंक • आईआईटी इंदौर का दावा- हर मापदंड में आंकड़े बढ़े, लेकिन हकीकत में प्रतिस्पर्धा में पिछड़े

आईआईटी इंदौर की रिसर्च कैटेगरी में रैंक घटी, 21 से 27 पर पहुंचा, मॉडर्न रिसोर्सेस की कमी भी बनी पिछड़ने की वजह

भास्कर संवाददाता | इंदौर

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी एनआईआरएफ (नेशनल इंस्टिट्यूशनल रैंकिंग फ्रैमवर्क)-2024 जारी की गई। इसमें आईआईटी इंदौर की न केवल इंजीनियरिंग कैटेगरी व ओवरऑल रैंक घटी, बल्कि वह रिसर्च कैटेगरी में भी पिछड़ गया है। इस कैटेगरी में उसकी रैंक छह पायदान नीचे आ गई है। पिछले साल वह 21वें नंबर पर था, लेकिन इस बार वह सीधे 27वें क्रम पर पहुंच गया है। जानकारों का कहना है कि इसके पीछे कुछ अहम वजह हैं।

जहां तक रिसर्च की बात है तो पीयर रिव्यू के क्षेत्र में पिछले साल 100 में से 23.55 स्कोर मिला था, जो इस बार घटकर 19.36 पर आ गया है। दरअसल, जो रिसर्च जर्नल में प्रकाशित होते हैं, उनमें खासी कमी आई है। यही नहीं रिसर्च कैटेगरी में ओवरऑल स्कोर भी घटा है। पिछले साल 53.7 था, जो घटकर 52.7 पर पहुंच गया है। आईआईटी बैंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली व मुंबई जैसे आईआईटी की तुलना में मॉडर्न रिसोर्सेस कम हैं।

इंजीनियरिंग कैटेगरी में स्कोर बढ़ा, परफॉर्मेंस में सुधार हुआ

आईआईटी इंदौर के पीआरओ सुनील कुमार ने बताया कि इस साल इंजीनियरिंग कैटेगरी में हमारा स्कोर बढ़ा है। कई मापदंडों पर हमारा परफॉर्मेंस सुधरा है। टीचिंग लर्निंग रिसोर्सेस, ग्रेजुएशन आउटकम, परसेप्शन और आउटरिच में हमने बेहतर प्रदर्शन किया है। हालांकि हमें पब्लिकेशंस व रिसर्च में ज्यादा फोकस करने की जरूरत है। हमने पिछले एक साल में ऐसे कई कदम उठाए हैं, जिसका असर हमें अगली रैंकिंग में देखने को मिलेगा।

डीएवीवी : स्टेट पब्लिक यूनिवर्सिटी में बेहतर परफॉर्मेंस, प्रमोशन किए

स्टेट पब्लिक यूनिवर्सिटी में बेहतर परफॉर्मेंस के पीछे कुछ खास वजह सामने आई है। जानकारों का कहना है कि 175 खाली पदों के एवज में 41 नई नियुक्तियां, 72 फैकल्टी के प्रमोशन इसकी सबसे बड़ी वजह है। इसके साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर का जो प्लान तैयार किया गया। 7 बड़ी रिसर्च को देश-विदेश के फोरम पर तारीफ मिली। 4 पैटेंट भी हुए। यूनिवर्सिटी में सीयूईटी के जरिये होने वाले एडमिशन का बढ़ता क्रैज भी महत्वपूर्ण रहा। कुलपति डॉ. रेणु जैन व रजिस्ट्रार डॉ. अजय वर्मा का कहना है कि किसी भी यूनिवर्सिटी में एकेडमिक एक्सीलेंस के लिए क्वालिटी एजुकेशन सबसे अहम हिस्सा होता है, इसलिए 2024 में टीचिंग पर फोकस रखा। नई नियुक्तियों के साथ ही पुरानी फैकल्टी के प्रमोशन की प्रक्रिया अहम साबित हुई। यूनिवर्सिटी कैटेगरी में डीएवीवी इस बार भी 101 से 200 में है।

IIM इंदौर : इस बार रैंकिंग भले ही वही हो, लेकिन साख सुधरी है

आईआईएम इंदौर को पिछले साल 71.95 अंक मिले थे। इस बार बढ़कर वह 73.53 हो गए हैं। इस बार रैंकिंग भले ही वही हो, लेकिन उसकी साख सुधरी है। आउटरीच एंड इन्क्लूसिविटी में संस्थान के अंकों में खासी बढ़ोतरी हुई है। पिछले साल की 67.79 की तुलना में इस बार 72.38 अंक हो गए हैं। पीयर परसेप्शन में पिछले साल संस्थान को 56.36 अंक मिले थे जो इस बार बढ़कर 57.9 हो गए हैं। प्लेसमेंट, क्वालिटी एजुकेशन और इंफ्रास्ट्रक्चर के मामले में भी कुछ सुधार हुआ है।